A–0173

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

BAKA (N)-201

पूजन एवं देवस्थापन विधान

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (2×19=38)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. पूजन क्यों किया जाता है ? महत्व एवं आवश्कता बताइए।
2. स्वस्तिवाचन की महत्ता पर प्रकाश डालिए।
3. कलशस्थापनविधि का वर्णन कीजिए।

4. षोडशमातृकाओं का स्थापनक्रम बताते हुए मन्त्रप्रतीकों को दर्शाइए।

5. सप्तघृतमातृकाओं के नाम दर्शाते हुए पूजन विधि बताइए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (4×8=32)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. नान्दीश्राद्ध कब करना चाहिए ? पूजनविधि बताइए।

2. नवग्रहों के आकारपूर्वक मण्डल निर्माण विधि को बताइए।

3. अधिदेवता एवं प्रत्यधिदेवताओं के नाम का यथाविधि उल्लेख कीजिए।

4. दशदिक्पालों के स्थापनविधि को स्थान निर्देश पूर्वक बताइए।

5. क्षेत्रपाल बलिदान विधि का प्रार्थना सहित वर्णन कीजिए।

6. असंख्यात रुद्र का स्थापन कब–कब करना चाहिए ?

7. नवग्रहों के वर्ण का विवेचन शास्त्रीय कारिका सहित कीजिए।

8. किसी एकग्रह का पौराणिक ध्यान बताते हुए शनि स्तोत्र का पाठ लिखिए।

****